This question paper contains 2 printed pages.

Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**121301103**
Title of the Paper	**:**	**साहित्य: नैषधीयचरितम् एवम् मृच्छकटिकम्** **Sahitya: (Naishadheeyacaritam & Mricchhakatikam**
Name of the Course	**:**	**M.A., Sanskrit (LOCF), Examination, Jan 2024**
Semester	**:**	**I**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।
Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit**, Hindi, or English, but the same medium should be used throughout the paper.

1. निम्नलिखित पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 7x4 = 28

Explain the following verses with reference to the context :

(क). अधीतिबोधाचरणप्रचारणैः दशाश्चतस्रः प्रणयन्नुपाधिभिः।
चतुर्दशत्वं कृतवान् कृतः स्वयं न वेद्मि विद्यासु चतुर्दशस्वयम्॥

अथवा/OR

जगज्जयं तेन च कोशमक्षयं प्राणीतवाञ्शैशवशेषवानयम्।
सखा रतीशस्य ऋतुर्यथा वनं वपुस्तथालिङ्गदथास्य यौवनम्॥

(ख). अथ स्वमादाय भयेन मन्थनाच्चिरत्नरत्नाधिकमुच्चितं चिरात्।
निलीय तस्मिन्निव सन्नपांनिधिर्वने तडागो ददृशेऽवनीभुजा॥

अथवा/OR

मदेकपुत्रा जननी जरातुरा नवप्रसूतिर्वरटातपस्विनी।
गतिस्तयोरेष जनस्तमर्दयन्नहो ! विधे ! त्वां करुणा रुणद्धि न॥

(ग). सुखं हि दुःखान्यनुभूय शोभते घनान्धकारेष्विव दीपदर्शनम्।
सुखात्तु यो याति नरो दरिद्रतां धृतः शरीरेण मृतः स जीवति॥

अथवा/OR

कृत्वा शरीरपरिणाहसुखप्रवेशं शिक्षाबलेन च बलेन च कर्ममार्गम्।
गच्छामि भूमिपरिसर्पणघृष्टपार्श्वो निर्मुच्यमान इव जीर्णतनुर्भुजङ्गः॥

(क). आलोकितं गृहशिखण्डिभिरुत्कलापैः, हंसैर्यियासुभिरपाकतमुन्मनस्कैः।
आकालिकं सपदि दुर्दिनमन्तरिक्षमुत्कण्ठितस्य हृदयञ्च समं रुणद्धि॥

अथवा/OR

मखशतपरिपूतं गोत्रमुद्भासितं मे सदसि निबिडचैत्यब्रह्मघोषैः पुरस्तात्।
मम मरणदशायां वर्तमानस्य पापै- स्तदसदृशमनुष्यैर्घुष्यते घोषणायाम्॥

2. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए जिनमें से एक **संस्कृत** में हो। 5+5+5+7=22

Write short notes on the following, out of which one must be in **Sanskrit.**

(क). नैषध महाकाव्य के अनुसार राजा नल का महत्व तथा उसकी विद्वत्ता।

Importance of King Nala and his wisdom according to Naishadham epic.

अथवा/OR

महाकवि श्रीहर्ष का 'कृतित्व'।

'Krititva' of Mahakavi Sriharsha.

(ख). नैषधीयचरितम् का 'महाकाव्यत्व'।

The 'epicness' of the Naishadhiyacharitam.

अथवा/OR

नैषध में अलंकार योजना।

Alankara Yojana in Naishadha.

(ग). मृच्छकटिक में वर्णित स्त्री ।

The woman described in Mrichchhakatika.

अथवा/OR

मृच्छकटिक में 'दुर्दिन'।

'Durdina' in Mrichchakatika.

(घ). मृच्छकटिकम् में वर्णित विविध कला।

Various arts described in Mrichchhakatikam.

अथवा/OR

मृच्छकटिकम् के अनुसार वसन्तसेना का चरित्र-चित्रण

Characterization of Vasantasena according to Mrichchhakatikam.

3. "नैषधं विद्वदौषधम्" का विस्तृत वर्णन कीजिए। 10

Describe in detail "Naishadham Vidvadaushadham

अथवा/OR

नैषधमहाकाव्य के प्रथमसर्ग के आधार पर दार्शनिक तत्त्वों का प्रतिपादन कीजिए।

Explain the philosophical elements on the basis of the first canto of the "Naishadha Mahakavya".

4. मृच्छकटिकम् के कथानक की नाट्यशास्त्र के अनुसार समीक्षा कीजिए। 10

Review the Mrichchhakatikam plot according to Natyashastra.

अथवा/OR

मृच्छकटिक-कालीन राजनैतिक स्थिति पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on the political situation during Mrichchhakatikam period.